



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 654] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 29, 1989/पौष 8 1911
No. 654] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 29, 1989/PAUSA 8, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(कंपनी कार्य विभाग)

अधीक्षक

नई दिल्ली 9 दिसम्बर 1989

भा. का. नि. 1075(अ) --कम्प्लाय सरकार, कंपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा
58क की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपने यह समाधान होना पर कि ऐसा करने
के ल्याय मंगत और पत्राचार कारण है और भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने व पश्चात, एमो वर्ग की कंपनियां

को जो भारत के राजपत्र, असाधारण भाग 3, खंड 4 तारीख 26 दिसम्बर 1989 में प्रकाशित अधिसूचना स. अर्शि.एफ.सी.डी./1/87 (सी पी-89-90) तारीख 11 दिसम्बर, 1989 के निबंधनों के अनुसार गैर-बैंककारी कंपनी (वाणिज्यिक पत्र द्वारा निक्षेपों की स्वीकृति) निर्देश, 1989 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अधिकृत पालना मानदंड को पूरा करता है, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उस अधिसूचना में निर्दिष्ट वाणिज्यिक पत्र निर्मित करके गैर-बैंककारी कंपनियों द्वारा प्राप्त निक्षेपों को बाधन उस अधिनियम की धारा 58क की उप-धारा (1) में उपधारा (7) (जिनमें दोनों उपधाराएँ सम्मिलित हैं) के उपबंधों से छूट देती है, अर्थात् —

- (i) कंपनियाँ, ऐसे वाणिज्यिक पत्र के निर्माण के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर नियत निबंधनों और शर्तों का पालन करेंगी, और
- (ii) कंपनियाँ अपने वार्षिक लेखाओं में किसी वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी समय जुटाई गई अधिकतम रकम और वित्तीय वर्ष के अंत में बचाया रकम को प्रकट करेंगी।

2 यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1990 को और से प्रवृत्त होगी।

[फा. स. 3/20/89-सी.एल. X.]

बी. पी. गुप्ता, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th December, 1989

G.S.R. 1075 (E):—In exercise of powers conferred by sub-section (8) of section 58A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government, being satisfied that there are just and sufficient reasons so to do and after consultation with the Reserve Bank of India, hereby exempts the class of companies which satisfy the eligibility criteria laid down by the Reserve Bank of India in the Non-Banking Companies (Acceptance of Deposits through Commercial Paper) Directions, 1989 in terms of notification No.IECD.1/87(CP)—89-90 dated 11th December, 1989, published in Part-III Section 4 of the Gazette of India, Extraordinary dated the 26th December, 1989, from the provisions of sub-sections (1) to (7) (both inclusive) of section 58A of the said Act with respect to deposits received by non-banking companies by issue of commercial paper referred to in the said notification, subject to the following conditions, namely:—

- (i) the companies shall comply with the terms and conditions stipulated from time to time, by the Reserve Bank of India relating to the issue of such commercial paper; and

(ii) the companies shall, in their annual accounts disclose the maximum amount raised at any time during a financial year and the amount outstanding as at the end of the financial year.

2. This notification shall come into force on and from 1st January, 1990.

[File No.3/20/89—CL.X]

V.P. GUPTA, Jt. Secy.

